पाठ 12:	यशपाल : लखनवी अंदाज़

'लखनवी अंदाज' पाठ के लेखक यशपाल हैं। लखनवी अंदाज़ कहानी एक व्यंगात्मक कहानी है | यशपाल जी मध्यवर्गीय समाज की दोहरे मानसिकता पर व्यंग करने में सिद्धहस्त हैं|

लेखक इस पाठ के माध्यम से यह बताना चाहता है कि बिना पात्रों, घटना और विचार के भी स्वतंत्र रूप से रचना लिखी जा सकती है। इस रचना के माध्यम से लेखक ने दिखावा पसंद लोगों की जीवन शैली का वर्णन किया है। लेखक को रेलगाड़ी के डिब्बे में एक नवाब मिलता है। नवाब बड़े सलीके से खीरे को खाने की तैयारी करता है लेकिन उसे लेखक के सामने खीरा खाने में संकोच होता है इसलिए अपने नवाबी अंदाज में लजीज रूप से तैयार खीरे को केवल सूँघकर खिड़की के बाहर फेंक देता है। नवाब के इस व्यवहार से लगता है कि वे लोग आम लोगों जैसे कार्य एकांत में करना पसंद करते हैं उन्हें लगता है कि कहीं किसी के देख लेने से उनकी शान में फर्क न आ जाए। आज का समाज भी ऐसी ही दिखावा पसंद संस्कृति का आदी हो गया है।...

Brainbox learn easy

Author Yashpal in his story “Lakhnavi Andaaz” tells about a man who loves to “ show off”. He cuts the cucumber, sprinkles salt, neatly keeps it on the hand towel, but instead of relishing it, he smells it and throws it out of the window. Yashpal ridicules the aristocratic people, who want to show they are a class apart.

Brainbox
learn easy